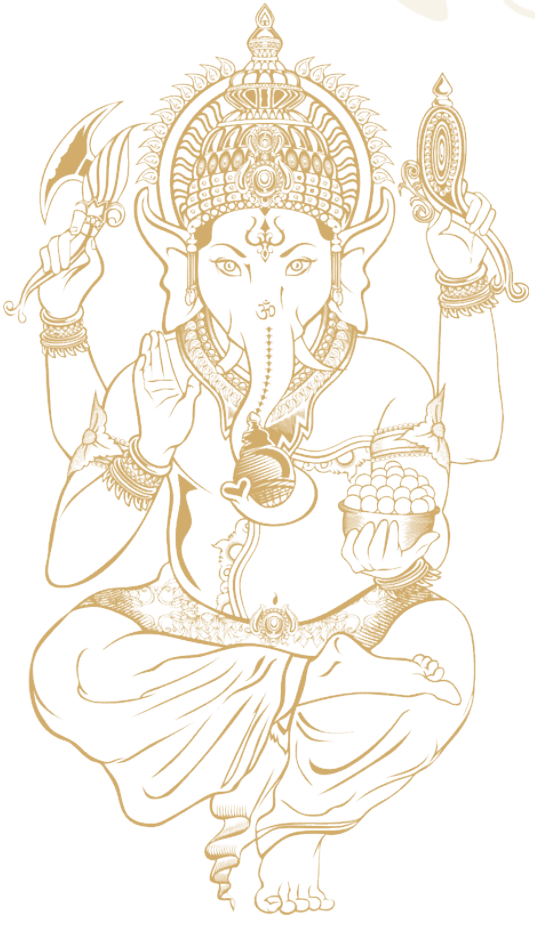

Vipul Totuka

Sharadha Nikki

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121023001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121023001 Date: 23/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/01/1999	जन्म तिथि	09/11/1999
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:19:00	जन्म समय	10:15:00 घंटे
घटी 30:10:33	जन्म समय(घटी)	08:53:08 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Ajmer
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:46	सूर्योदय	06:45:49
18:04:09	सूर्यास्त	17:44:20
23:50:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:03

सिंह	लग्न	धनु
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृष	राशि	वृश्चिक
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
रोहिणी	नक्षत्र	अनुराधा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	1
ऐन्द्र	योग	शोभन
विष्टि	करण	बव
वू-वुभेश	जन्म नामाक्षर	ना-नन्दिता
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	कीटक
सर्प	योनि	मृग
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 2वर्ष 5मा 17दि		लग्न	धनु	07:24:11	शनि 18वर्ष 2मा 5दि	
राहु		सूर्य	तुला	22:28:46	बुध	
15/07/2008		चंद्र	वृश्चि	03:54:25	14/01/2018	
15/07/2026		मंगल	धनु	23:11:26	14/01/2035	
राहु	28/03/2011	बुध व	वृश्चि	06:35:53	बुध	12/06/2020
गुरु	21/08/2013	गुरु व	मेष	03:55:47	केतु	09/06/2021
शनि	27/06/2016	शुक्र	कन्या	06:15:24	शुक्र	09/04/2024
बुध	14/01/2019	शनि व	मेष	19:38:15	सूर्य	13/02/2025
केतु	02/02/2020	राहु व	कर्क	13:28:35	चन्द्र	16/07/2026
शुक्र	01/02/2023	केतु व	मक	13:28:35	मंगल	13/07/2027
सूर्य	27/12/2023	हर्ष	मक	19:08:02	राहु	29/01/2030
चन्द्र	27/06/2025	नेप	मक	07:55:39	गुरु	06/05/2032
मंगल	15/07/2026	प्लूटो	वृश्चि	15:35:01	शनि	14/01/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:29 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:03

लग्न-चलित

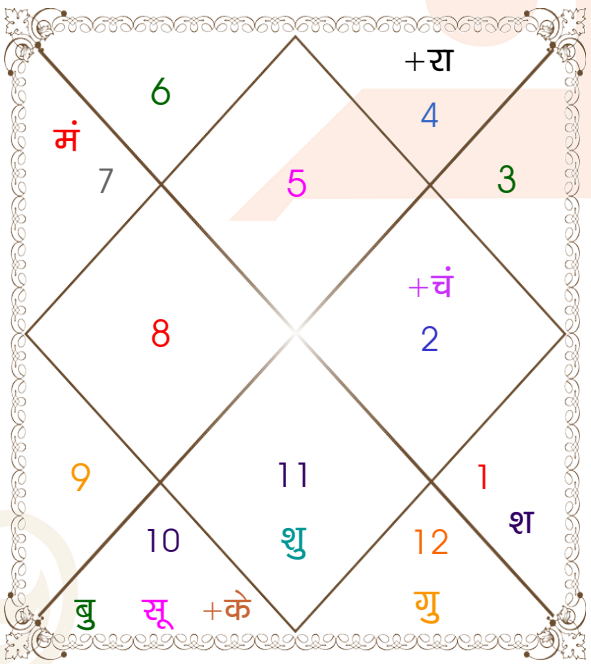

लग्न-चलित

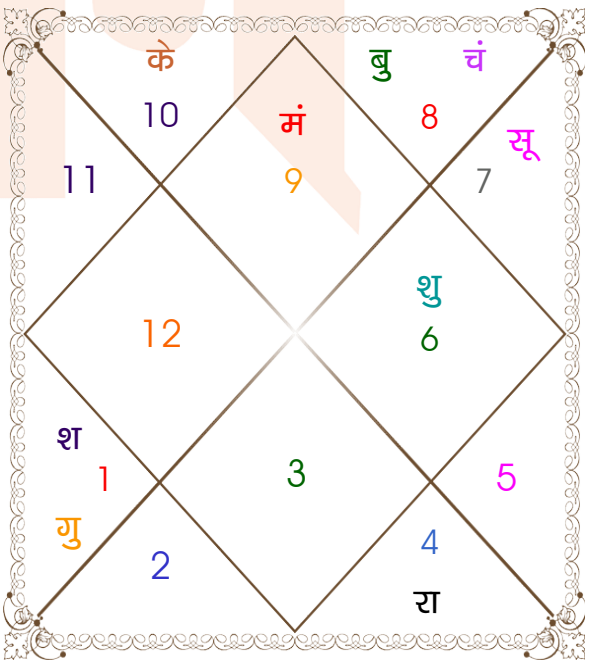

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

कुल : **27.5 / 36**

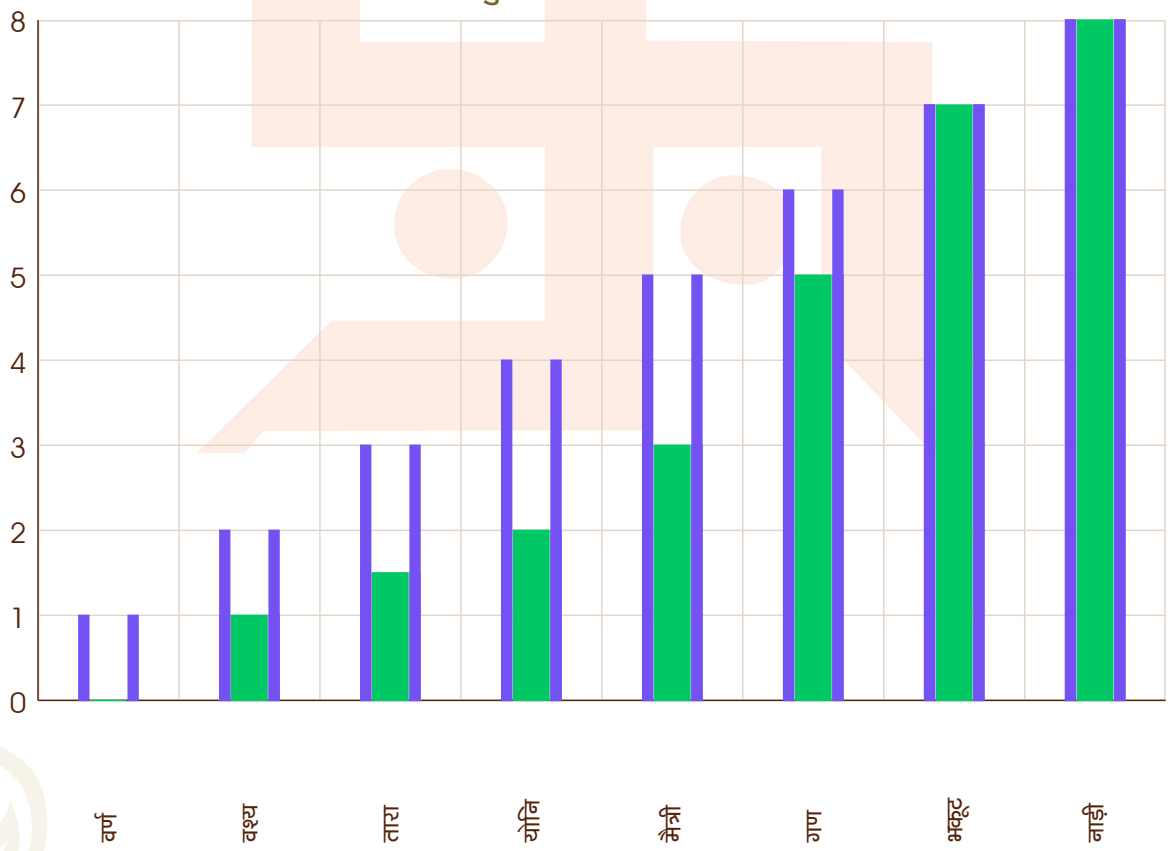

अष्टकूट मिलान

टपचनस ज्वजनां का वर्ग मृग है तथा Sharadha Nikki का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपचनस ज्वजनां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Sharadha Nikki मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल टपचनस ज्वजनां कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपचनस ज्वजनां तथा Sharadha Nikki में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

टपचनस ज्वजनां का वर्ण वैश्य है तथा Sharadha Nikki का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Sharadha Nikki का वर्ण टपचनस ज्वजनां के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Sharadha Nikki अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Sharadha Nikki को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

टपचनस ज्वजनां का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Sharadha Nikki का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। इसीलिए टपचनस ज्वजनां चतुष्पद एवं Sharadha Nikki कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

टपचनस ज्वजनां की तारा साधक तथा Sharadha Nikki की तारा प्रत्यरि है। Sharadha Nikki की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह टपचनस ज्वजनां एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Sharadha Nikki का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Sharadha Nikki के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। टपचनस ज्वजनां अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

टपचनस ज्वजनां की योनि सर्प है तथा Sharadha Nikki की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में टपचनस ज्वजनां एवं Sharadha Nikki दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

टपचनस ज्वजनां का गण मनुष्य तथा Sharadha Nikki का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Sharadha Nikki सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर टपचनस ज्वजनां व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण टपचनस ज्वजनां अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

टपचनस ज्वजनां एवं Sharadha Nikki की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा टपचनस ज्वजनां व Sharadha Nikki को शांति, सुख, सौभाग्य,

समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

टपचनस ज्वजनां की नाड़ी अन्त्य है तथा Sharadha Nikki की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

शारीरिक एवं मानसिक स्तर पर टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki का मिलान उतम रहेगा। टपचनस ज्वजनां की राशि पृथ्वीतत्व वृष तथा Sharadha Nikki की राशि जलतत्व वृश्चिक है चूंकि पृथ्वीतत्व तथा जलतत्व में नैसर्गिक समानता का भाव रहता है। अतः टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki में स्वाभाविक समानता के कारण दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी।

टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव आप परस्पर समानता के भाव से युक्त रहेंगे तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने के लिए रुचि शील रहेगें । टपचनस ज्वजनां को चाहिए कि वे Sharadha Nikki के साथ ऐसा व्यवहार करे कि उन्हें परेशानियां न हो । इसके अतिरिक्त इनमें परस्पर विश्वास का भाव भी रहेगा जिससे जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा।

टपचनस ज्वजनां का वश्य चतुष्पद है तथा Sharadha Nikki का वश्य कीट है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं कीट वश्य परस्पर मित्रता तथा समानता का भाव रखते है अतः शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आपकी समानता रहेगी तथा दाम्पत्य जीवन मेंकामभावनाओं में एक दूसरे को सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे।

टपचनस ज्वजनां का वर्ण वैश्य है अतः अपने समस्त कार्यों को वे व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे तथा धनार्जन संबधी कार्यों में तत्पर रहेंगे। Sharadha Nikki का वर्ण ब्राहमण होने के कारण शैक्षणिक कार्यो मे उनकी विशेष रुचि रहेगी। वे अल्पव्ययी होंगी तथा धार्मिक कार्य करने में भी रूचिशील रहेंगी।

धन

टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

टपचनस ज्वजनां की नाड़ी अन्त्य तथा Sharadha Nikki की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से टपचनस ज्वजनां का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग

संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी टपचनस ज्वजनां पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग क्रिया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए टपचनस ज्वजनां को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी टपचनस ज्वजनां के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sharadha Nikki के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sharadha Nikki को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sharadha Nikki को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार टपचनस ज्वजनां और Sharadha Nikki का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sharadha Nikki तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Sharadha Nikki धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Sharadha Nikki के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Sharadha Nikki का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

टपचनस ज्वजनां तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में टपचनस ज्वजनां के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से टपचनस ज्वजनां के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण टपचनस ज्वजनां के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।